मॉनसून में बढ़ जाता है करंट का खतरा, सावधानी से करें बिजली का इस्तेमाल

करंट की आशंका हो, तो फोन करें: 011 41999808– बीवाईपीएल, 1800 10 39707 – बीआरपीएल

नई दिल्ली: 8 जुलाई, 2015। मॉनसून में जगह–जगह पानी जमा हो जाने से बिजली संबंधी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। बीएसईएस ने अपने 35 लाख ग्राहकों से अनुरोध किया है कि बारिश के दिनों में वे बिजली के पोल, सब–स्टेशनों, ट्रांसफॉर्मरों और स्ट्रीटलाइटों से दूर रहें। बिजली के ऐसे खंभों व उपकरणों के पास न जाएं, जहां पानी जमा हो। साथ ही, अपने बच्चों को भी बताएं कि इन उपकरणों के इर्द–गिर्द न खेलें, चाहे उपकरणों के चारों ओर जालियां ही क्यों न लगी हों।

करंट और बिजली के झटकों से संबंधित शिकायतों के लिए बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने एक विशेष हेल्पलाइन शुरू की है। बीवाईपीएल का विशेष नंबर है– 011 41999808 और बीआरपीएल का विशेष नंबर है– 1800 10 39707 । बीएसईएस ने आरडब्ल्यूए और आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि उन्हें कहीं करंट की आशंका महसूस हो, तो तुरंत उपरोक्त नंबरों पर फोन करें। वे बीएसईएस के कॉल सेंटर नंबरों 39999707 (बीआरपीएल) और 39999808 (बीवाईपीएल) पर भी फोन कर सकते हैं।

बीएसईएस ने सलाह दी है कि अगर उपभोक्ताओं को लगे कि उनके घर में बिजली का कोई स्विच गीला है, तो छूने से पहले उसे टेस्टर से जरूर चेक कर लें। मॉनसून के दौरान स्विचों में करंट आने का खतरा भी रहता है। बेहतर होगा कि वे अपने घर की आंतरिक वायरिंग भी चेक करवा लें।

वैसे, बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अपने ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर जालियां लगा दी हैं, लेकिन, कई बार नशेड़ी और असामाजिक तत्व ट्रांसफॉर्मरों की जालियां उखाड़ लेते हैं या उन्हें क्षतिग्रस्त कर देते हैं। इसलिए, बीएसईएस ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि यदि कहीं किसी ट्रांसफॉर्मर की जाली टूटी दिखे या कोई पोल व तार गिरी हुई या क्षतिग्रस्त नजर आए, या बिजली उपकरणों पर पेड़ों की टहनियां गिरी दिखें, तो तुरंत उपरोक्त नंबरों पर को बीएसईएस को सूचित करें।

बारिश के सीजन में बिजली चोरी की वजह से भी करंट फैलने का खतरा रहता है। यह न सिर्फ बिजली की चोरी करने वालों के लिए, बल्कि उनके पड़ोसियों के जीवन के लिए भी खतरनाक है। बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे बिजली चोरी के बारे में भी कंपनी के कॉल सेंटर नंबरों पर तत्काल सूचना दें, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

इसके अलावा, उपभोक्ताओं को अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर यानी ईएलसीबी लगवाने की भी सलाह दी जाती है। ईएलसीबी एक छोटा, लेकिन महत्वपूर्ण उपकरण है, जो आपके घर में बिजली के छोटे से छोटे लीकेज को भी पहनान लेगा। बिजली के लीकेज का पता लगते ही ईएलसीबी ट्रिप हो जाएगी और आपके घर की बिजली को डिसकनेक्ट कर देगी। इस तरह, ईएलसीबी बिजली संबंधी बड़े हादसों को टाल सकता है।

उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि सीईआरसी के निर्देशों के मुताबिक, बिजली के उपकरणों से अपने घर, बालकनी और छज्जों की उपयुक्त दूरी बनाए रखें। ऐसा न करने से जान–माल का नुकसान हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी बिजली कंपनी की नहीं होगी। उपभोक्ता खुद इसके लिए जिम्मेदार होगा।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

.....